No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-5

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

07520

एम.एच.डी.-5 : साहित्य-सिद्धान्त और समालोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक खण्ड से **दो-दो** प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है । शेष **एक** प्रश्न का उत्तर किसी भी खण्ड से दिया जा सकता है । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड क

1. काव्य-हेतु का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न उपादानों की चर्चा कीजिए । *20*

2. वक्रोक्ति सिद्धांत की मूल स्थापनाओं को स्पष्ट कीजिए । *20*

3. 'साधारणीकरण' से क्या आशय है ? साधारणीकरण-सम्बन्धी चिंतन पर संक्षेप में विचार कीजिए । *20*

4. शुक्लोत्तर आलोचना के विकास में नंद दुलारे वाजपेयी और हजारी प्रसाद द्विवेदी के योगदान का मूल्यांकन कीजिए । *20*

5. मार्क्सवादी आलोचना में डॉ. रामविलास शर्मा के योगदान का आकलन कीजिए । *20*

खण्ड ख

6. अरस्तू के विरेचन-सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए । *20*

7. उदात्त के विषय में लोंजाइनस के विचारों का प्रतिपादन कीजिए । *20*

8. कॉलरिज के कल्पना-सिद्धांत पर विचार कीजिए । *20*

9. टी.एस. एलियट के निर्वैयक्तिकता-सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए । *20*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×10=20*

(क) आभिजात्यवाद और स्वच्छंदतावाद

(ख) वर्ड्सवर्थ की काव्यभाषा-विषयक अवधारणा

(ग) रिचर्ड्स का मूल्य-सिद्धांत

(घ) समाजशास्त्रीय समीक्षा-पद्धति

(ङ) नई समीक्षा